प्रधानमंत्री ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति के साथ एक संयुक्त प्रेस सम्मेलन को संबोधित किया

दिनांक 26 अप्रैल, 2006
ताशकंद, उज्बेकिस्तान

राष्ट्रपति कारीमोव और मेरे बीच आज सुबह काफी उपयोगी बातचीत हुई है। एक वर्ष पहले नई दिल्ली में हमारी पिछली वार्ता की यह अगली कड़ी है। हम अपने बहु-आयामी संबंधों में निरंतर विकास से संतुष्ट हैं।

मध्य एशिया सामरिक रूप से एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और ऐतिहासिक रूप से यह पूर्वी और पश्चिमी दुनिया के बीच सम्पर्क मार्ग रहा है। हम उज्बेकिस्तान की जनता के लिए निरंतर स्थायित्व और आर्थिक संपन्नता की कामना करते हैं।

हमारे बीच राजनीतिक और आर्थिक संबंध काफी घनिष्ठ रहे हैं और हम रक्षा कर्मचारियों के प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियों के क्षेत्र में सहयोग कर रहे हैं। आतंकवाद, कट्टरवाद और धार्मिक अतिवाद दोनों देशों के लिए खतरा है और राष्ट्रपति कारीमोव और मैंने इन खतरों से निपटने के लिए लगातार साथ मिलकर काम करने का संकल्प किया है।

वार्ताओं के दौरान हमने अपने वाणिज्यक और आर्थिक संबंधों में गुणात्मक सुधार करने का निर्णय किया है।

भारत सेवा उद्योग और मानव संसाधन विकास के मामले में मजबूत है। जवाहरलाल नेहरू इंडिया उज्बेकिस्तान सेन्टर फॉर इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी का आज शाम उद्घाटन किया जा रहा है। यह उज्बेकिस्तान में उभरते उद्योगों के लिए सुयोग्य कार्मिकों के प्रशिक्षण के संदर्भ में सहायता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रतीक होगा।

मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि राष्ट्रपति कारीमोव ने ताशकंद में उद्यमिता विकास केन्द्र की स्थापना का हमारा प्रस्ताव स्वीकार किया है। यह केन्द्र युवा व्यवसायियों को प्रशिक्षित करने का एक महत्वपूर्ण स्थल होगा और इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

हम भारत और उज्बेकिस्तान के बीच उपग्रह आधारित दूरस्थ-शिक्षा और दूरस्थ-चिकित्सा संपर्क कायम करने के लिए भी पहल कर रहे हैं जो भारत और उज्बेकिस्तान के बीच अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और मानव संसाधन के क्षेत्र में सहयोग का प्रतीक होगा।

मुझे इस बात की भी खुशी है कि तेल और प्राकृतिक गैस का पता लगाने और उसके उत्पादन से जुड़े क्षेत्र में सहयोग करने के लिए आपस में सहमत हुए हैं। हम उज्बेकिस्तान को मध्य एशिया के ऊर्जा स्रोतों के सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल के किसी भी प्रयास में एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में मानते हैं। भारत भी उज्बेकिस्तान के विशाल भू-वैज्ञानिक और खनिज स्रोतों का पता लगाने और उनका विकास करने में उसका सहयोग करेगा।

मैं राष्ट्रपति कारीमोव और उज्बेकिस्तान की जनता को भारत के प्रति पारंपरिक लगाव और प्रेम के लिए धन्यवाद देता हूं। दोनों देश क्षेत्रीय स्थायित्व, विश्व शांति और हमारे जनता के आर्थिक विकास और संपन्नता के प्रति वचनवद्ध हैं। हम अपने साझा लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

******